पाठ - 1. शीतयुद्ध का दौर

अध्याय-समीक्षा :

- द्वितिय विश्व युद्ध (1939-1945) की समाप्ति समकालीन विश्व राजनीति की शुरुआत थी।
- प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध (1914-18) (1939-45) के पश्चात वैश्विक घटनाओं के कारण कई बदलाव आऐ।
- द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका फ्रांस तथा सोवियत संघ को विजय मिली जिन्हें मित्र राष्ट्रों के नाम से जाना जाता है। धुरी राट्रों अर्थात जर्मनी, इटली तथा जापान को हार का सामना करना पड़ा।
- द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के साथ ही शीत युद्ध की शुरूआत हुई।
- शीत युद्ध दो सहशक्तियों की बीच शत्रुपूर्ण वातावरण था। विचारों में मतभेदों के होते हुए भी विश्व को तीसरे विश्व युद्ध का सामना नहीं करना पड़ा जिसका कारण था परमाणु बम का अविष्कार/दोनों सहशक्तियां इससे परिपूर्ण थी।
- क्यूबा का मिसाइल संकट शीत युद्ध की चरम सीमा था, जब 1962 में खुश्चेव ने क्यूबा में परमाणु मिसाइलें तैनात कर दी थीं/ दोनों गुटों के बीच खुद को बेहतर व शक्तिशाली दिखाने व बनाने के लिए कई ''सैन्य-संधियां कीं।
- सैन्य संधि संगठन - अप्रैल 1949 मे नाटो (उत्तर अटलांटिक सन्धि संगठन) जिसका उद्देश्य अमेरिका द्वारा लोकतंत्र को बचाना।
- 1954 में सीटों (दक्षिण पूर्व एशियाई सन्धि संगठन) का उद्देश्य अमेरिका के नेतृत्व वाले साम्यवादी प्रसार को रोकना। 1955 में बगदाद पैक्ट, 1955 में वारसा संधि आदि। परिणामता विश्व खुले तौर पर अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर दो ध्रुवों में बैट चुका था।
- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ दो बड़ी ताकतों के रूप में उभरे।
- अमेरिका और सोवियत संघ के बीच मतभेद और अविश्वास की भावना बड़ गई और विश्व दोनों के नेतृत्व में दो गुटों पूंजीवादी गुट और साम्यवादी गुट में बंट गया।
- पूँजीवादी गुट ये संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, पश्चिम जर्मनी, इटली, स्पेन, नार्वे डेनमार्क इत्यादि देश थे तथा साम्यवादी गुट में सोवियत संघ, पौलैंड क्यूबा, हंगरी, पूर्वी जर्मनी, रोमानिया तथा बुल्गारिया आदि देश थे।
- वे देश जो इन दोनों गुटों में शामिल नहीं हुए वे गुटनिरपेक्ष देश कहलाए जिनमें भारत, यूगोस्लाविया, मिस्त्र, घाना तथा इन्डोनेशिया इत्यादि देश शामिल थे।
- पूँजीवादी गुट (अमेरिका) और साम्यवादी गुट (सोवियत संघ) में महाशक्ति बनने के लिए होड़ लगी हुई थी लेकिन तीसरे विश्व युद्ध से बचने के लिए उत्तरदायित्व और संयम से दोनों ने काम लिया और आपस में विचारों का संघर्ष कायम रखा जिसे शीतयुद्ध का नाम दिया गया।
- क्यूबा अमेरिका से लगता हुआ एक छोटा सा द्वीप हैं 1962 में खुरशचेव ने क्यूबा में परमाणु मिसाइलें तैनात कर, उसे एक सैनिक अड्डे के रूप में परिवर्तित कर दिया जिसे क्यूबा मिसाइल संकट के नाम से जाना जाता है।
- क्यूबा मिसाइल संकट, बर्लिन की घेराबंदी, कोरिया संकट तथा कांगो संकट शीतयुद्ध के दौर की प्रमुख घटनाऐं है।
- नाटो (NATO) सिएटो (SEATO) सैंटो (CENTO) पूंजीवादी गुट तथा वारसा संधि (WARSAW PACT) साम्यवादी गुट द्वारा की गई शीत युद्ध की प्रमुख सैन्य संधिंया थी।
- शीतयुद्ध के दौरान तनाव कम करने तथा आपसी विश्वास बढ़ाने के लिए अस्त्र नियंत्रण संबंधित अनेक संधिया की गई।
- शीतयुद्ध के दौरान तृतीय विश्व के ;एशिया, अफ्रीका व लैटिन अमरीका के नव स्वतंत्र देशद्ध के देशों ने पूँजीवादी और साम्यवादी गुट में शामिल होने के बजाय गुटनिरपेक्ष की नीति को अपनाना उचित समझा।
- पहला गुटनिरपेक्ष सम्मेलन 1961 में बेलग्रेड में हुआ जिसमें 25 सदस्य देशों ने भाग लिया।
- गुटनिरपेक्ष आंदोलन के संस्थापक - भारत के प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू, मिस्त्र के शमाल अब्दुल नासिर, यूगोस्लाविया के टीटो, घाना के वामे एनेक्रूमा, इंडोनेनिया के सुकर्णो थे।
- गुटनिरपेक्षता का अर्थ तटस्थता, पृथकतावाद या पलायन नहीं है।
- 1972 में गुटनिरपेक्ष देशों ने संयुक्तराष्ट्र के व्यापार और विकास से संबंधित सम्मेलन ;न्छब्ज्।क्द्ध में विकास हेतु एक नई व्यापार नीति का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जिससे विकसित देशों तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा गरीब और अल्पविकसित देशों का शोषण न हो सके। वे अपने संसाधनों का स्वयं अपनी इच्छानुसार प्रयोग कर सकें।
- दों ध्रुवीयता को चुनौती: 1961 में युगोस्लाविया के बेलग्रेड में 25 सदस्य राष्ट्रों ने भारत के ज्वाहर लाल नेहरू, मिस्र के अब्दुल गमाल नासिर, युगोस्लाविया के टीटो इन्डोनेशिया के सुकर्णो, छाना के वामें एनक्रूम के नेतृत्व मे एक संगठन की स्थापना की गई।
- इन देशों का 15 वॉ सममेलन 2009 में मिस्र में हुआ। उस समय इसकी सदस्य संख्या 118 तथा पर्यवेक्षकों की संख्या 15 थी।
- गुटनिरपेक्षता का अर्थ तटस्थत, पृथकतावाद अथवा पलायन नहीं है।

अभ्यास प्रश्नावली

Q1. शीतयुद्ध के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है?

(क) यह संयुक्त राज्य अमरीका, सोवियत संघ और उनके साथी देशों के बीच की एक प्रतिस्पर्धा थी

(ख) यह महाशक्तियों के बीच विचारधराओं को लेकर एक युद्ध था।

(ग) शीतयुद्ध ने हथियारों की होड़ शुरू की।

(घ) अमरीका और सोवियत संघ सीधे युद्ध में शामिल थे।

Q2. निम्न में से कौन-सा कथन गुट-निरपेक्ष आंदोलन के उद्देश्यों पर प्रकाश नहीं डालता?

(क) उपनिवेशवाद से मुक्त हुए देशों को स्वतंत्र नीति अपनाने में समर्थ बनाना।

(ख) किसी भी सैन्य संगठन में शामिल होने से इंकार करना।

(ग) वैश्विक मामलों में तटस्थता की नीति अपनाना।

(घ)वैश्विक आर्थिक असमानता की समाप्ति पर ध्यान केद्रित करना।

Q3. नीचे महाशक्तियों द्वारा बनाए सैन्य संगठनों की विशेषता बताने वाले कुछ कथन दिए गए हैं

प्रत्येक कथन के सामने सही या गलत का चिन्हे लगाएँ|

(क) गठबंधन के सदस्य देशों को अपने भू-क्षेत्रा में महाशक्तियों वेफ सैन्य अड्डे वेफ लिए स्थान देना

शरूरी था।

(ख) सदस्य देशों को विचारधरा और रणनीति दोनो स्तरों पर महाशक्ति का समर्थन करना था।

(ग) जब कोई राष्ट्र किसी एक सदस्य-देश पर आक्रमण करता था तो इसे सभी सदस्य देशों पर

आक्रमण समझा जाता था।

(घ) महाशक्तियाँ सभी सदस्य देशों को अपने परमाणु हथियार विकसित करने में मदद

करती थीं।

Q4. नीचे कुछ देशों की एक सूची दी गई है। प्रत्येक वेफ सामने लिखे कि वह शीतयुद्ध के दौरान

किस गुट से जुड़ा था?

(क) पोलैंड

(ख) फ्रांस

(ग) जापान

(घ) नाइजीरिया

(ङ) उत्तरी कोरिया

(च) श्रीलंका

Q5. शीतयुद्ध से हथियारों की होड़ और हथियारों पर नियंत्रण - ये दोनों ही प्रकियाए पैदा हुई | इन दोनों प्रक्रियाओ के क्या कारण थे ?

Q6. महाशक्तियां छोटे देशों के साथ सैन्य गठबंधन क्यों रखती थी ? तीन कारण बताए ?

Q7. कभी-कभी कहा जाता है कि शीतयुद्ध सीधे तौर पर शक्ति के लिए संघर्ष था और इसका विचारधारा से कोई संबंध नही था | क्या आप इस कथन से सहमत है ? अपने उत्तर के समर्थन में एक उदाहरण दें |

Q8. शीतयुद्ध के दौरान भारत की अमरीका और सोवियत संघ के प्रति विदेश नीति क्या थी ? क्या आप मानते हैं कि इस नीति ने भारत के हितों को आगे बढ़ाया ?

Q9. गुट-निरपेक्ष आन्दोलन को तीसरी दुनिया के देशो ने तीसरे विकल्प के रूप में समझा | जब शीतयुद्ध अपने शिखर पर था तब इस विकल्प ने तीसरी दुनिया के देशो के विकास में कैसे मदद पहुँचाई ?

Q10. गुट-निरपेक्ष आन्दोलन अब अप्रासगिक हो गया है | आप इस कथन के बारे में क्या सोचते है |अपने उतर के समर्थन में तर्क प्रस्तुत करे |

महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर:

एक अंकों वाला प्रश्न:

Q1. अमेरिका ने अपने सहयोगियों के साथ 1955 में वारसा की संधि की |

Q2. द्रीतीय विश्व युद्ध के बाद विश्व किन दो महाशक्तियों में उदय हुआ ?

Q3. पूर्वी तथा पश्चिमी गठबंधन का नेतृत्व कौन-कौन कर रहा था?

Q4. पहला गुटनिरपेक्ष सम्मेलन कहाँ और कब हुआ?

Q5. तृतीय विश्व किसे कहते हैं?

Q6. गुटनिरपेक्ष आंदोलन से संबंधित किन्हीं दो देशों के नाम लिखें?

Q9. निम्नलिखित को पूरे रूप में लिखें:-

(i) SEATO
(ii) CENTO

दो अंक वाले प्रश्न:-

Q1. शीत युद्ध से आप क्या समझते हैं?

Q2. बेलग्रेड शिखर सम्मेलन क्या था?

Q3. गुट निरपेक्षता से क्या अभिप्राय है?

Q4. पूर्वी और पश्चिमी देशों के गठबंधन का नेतृत्व कौन कर रहा था?

Q5. 'लिटिल ब्याय' और 'फैटमेन' क्या थे?

Q6. महाशक्तियाँ छोटे देशों के साथ सैन्य गठबंधन क्यों रखती थीं कोई दो कारण बताऐं?

Q7. निःशस्त्रीकरण का क्या अर्थ है?

Q8. भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति को क्यों अपनाया?

चार अंकों वाले प्रश्न:-

Q1. शीत युद्ध के करणो का वर्णन करें?

Q2. स्पष्ट करें कि गुटनिरपेक्षता से अभिप्राय पृथकतावाद था अलगाववाद नहीं है?

Q3. गुटनिरपेक्ष आंदोलन में भारत की भूमिका का मूल्यांकन करें?

Q4. नव स्वतंत्र देशों द्वारा गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाए जाने के क्या कारण थे?

पाँच अंकों वाले प्रश्न:-

Q1. गुटनिरपेक्ष आंदोलन के संस्थापक कौन-कौन से देशों से संबंधित थे, उन देशों को मानचित्र में दर्शाऐं?

छः अंको वाले प्रश्नः-

Q1. नव अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था से आप क्या समझते हैं?

Q2. दूसरे विश्व यु(के बाद किस प्रकार सोवियत संघ महाशक्ति के रूप में उभरा?

Q3. क्यूबा मिसाइल संकट क्या था इसके प्रमुख घटनाक्रम का वर्णन कीजिए?